प्रेस विज्ञप्ति

ईटी ऊर्जा नेतृत्व शिखर सम्मेलन: इरेडा के सीएमडी ने अक्षय ऊर्जा निवेश को बढ़ावा देने के लिए "डीएएस" सिद्धांत की वकालत की

नई दिल्ली, 25 सितंबर 2024

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज नई दिल्ली में ईटी ऊर्जा नेतृत्व शिखर सम्मेलन "नवीकरणीय ऊर्जा: परिनियोजन में तीव्रता लाने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करना" विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया। इस चर्चा के दौरान, श्री दास ने इथेनॉल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी स्टोरेज, पंप स्टोरेज, फ्लोटिंग सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया जैसी उभरती हुई अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बैंक योग्य बनाने के लिए इरेडा की अग्रणी भूमिका के बारे में प्रकाश डाला । उन्होंने निवेशकों के अनुशासन, ऋणदाताओं का रवैया और केंद्र-राज्य सरकारों और आरबीआई और सेबी जैसी नियामक संस्थाओं द्वारा नीतियों का सरलीकरण जैसे "डीएएस" सिद्धांत को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। इस सिद्धांत का अनुपालन करके, इरेडा ने अपनी प्रक्रियाओं को फिर से सुसंगठित किया है, जोकि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ऊर्जा प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए योगदान देता है।

श्री दास ने यह भी रेखांकित किया कि इरेडा का लक्ष्य गुजरात के गिफ्ट सिटी में अपनी सहायक कंपनी इरेडा ग्लोबल ग्रीन एनर्जी फाइनेंस आईएफएससी लिमिटेड के माध्यम से निर्यातोन्मुखी डेवलपर्स के लिए विदेशी मुद्रा में ऋण की सुविधा उपलब्ध करना है। ये ऋण डेवलपर्स को हेजिंग लागत पर 250-350 बेसिक पॉइंट बचाने में सहयोग करेंगे, जिससे वैश्विक बाजारों में ग्रीन हाइड्रोजन और संबंधित डेरिवेटिव और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

'ग्रीन टैक्सोनॉमी' के बारे में बोलते हुए, उन्होंने निवेशकों का विश्वास बढ़ाने और वास्तविक ग्रीन परियोजनाओं की दिशा में जलवायु वित्तपोषण को निर्देशित करने के लिए अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को "ग्रीन" के रूप में परिभाषित करने के महत्व पर जोर दिया, जिससे भारत वैश्विक मानकों के अनुरूप काम कर सके।